Training & Placement Cell
Dr. A.P.J. ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

Date : 24th January, 2023

Career Guidance Notice for Law Students

•

कॅरियर गाइडेंस..

सिविल जज बनकर पा सकते हैं बेहतर कॅरियर और प्रतिष्ठा

न्यायिक सेवाओं में कॅरियर बनाना जॉब प्रोफाइल और स्कोप के मान से आज अत्यंत प्रतिष्ठित कॅरियर माना जाता है। ऐसे सभी स्टूडेंट, जो लॉ की डिग्री प्राप्त कर इंडियन ज्यूडिशियरी में सर्व करने की ठान चुके, उनके लिए सिविल जज की परीक्षा देना आवश्यक है। इस क्षेत्र के लिए काम करना सामाजिक प्रतिष्ठा, जॉब सिक्योरिटी, आकर्षक वेतन और अन्य लाभों के साथ आता है जो इसे बहुत आकर्षक बनाता है। भारतीय न्यायपालिका में कॅरियर बनाने के लिए वे कैंडिडेट, जो एलएलबी का 3 वर्षीय कोर्स अथवा बीएएलएलबी का 5 वर्षीय कोर्स कर चुके हों, उन्हें सिविल जज के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षा देना होती है। यद्यपि इन परीक्षाओं को क्रेक करना आसान काम नहीं है। इसके लिए परिश्रम और निरंतर प्रयास करना होते हैं। इन सेवाओं में से प्रत्येक के लिए परीक्षा पैटर्न और पात्रता मानदंड अलग-अलग राज्यों में भिन्न होते हैं।

पंकज वाघवानी
लॉ प्रोफेसर

सिविल जज की जॉब प्रोफाइल

सिविल जज अर्थात एक न्यायाधीश के तौर से कॅरियर प्रारंभ होता है। इसमें मुकदमों की सुनवाई करना, सिविल एवं क्रिमिनल केस सुनकर उस पर निर्णय सुनाना होता है। जब आप सिविल जज बन जाते हैं तो आपको अनेक अधिकार प्राप्त हो जाते हैं जैसे अपराधी का वारंट जारी करना, सर्च वारंट जारी करना, मामले की सुनवाई, एविडेंस को ओथ दिलवाकर एविडेंस लेना, अपराधी को सजा दिलवाना, सिविल मामलों में निर्णय देना, डिक्री पारित करना, किसी व्यक्ति की लायबिलिटी तय करना, हर्जाना अर्थात मुआवजे के लिए आदेश देना, किसी व्यक्ति को दोषी अथवा निर्दोष ठहराना इत्यादि।

सिविल जज के लिए क्या क्वालिफिकेशन जरूरी

वही व्यक्ति आवेदन कर सकता जो भारत का नागरिक हो और जिसने 5 साल अथवा 3 साल का एलएलबी या बीएएलएलबी कोर्स पूरा कर लिया हो। आयु 21 वर्ष से 35 वर्ष तक होना चाहिए। ये अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग हो सकती है। आयु में अनेक राज्यों में छूट भी दी गई है।

कार्य अनुभव की आवश्यकता नहीं

सिविल जज बनने के लिए पहले वकालत का अनुभव जरूरी होता था किंतु अब इस अनुभव की अनिवार्यता को हटा दिया है, अर्थात एलएलबी की डिग्री करने के बाद यदि आप सिविल जज की परीक्षा में पास हो जाते हैं तो आपको ट्रेनिंग देकर पदस्थ कर दिया जाएगा।

सिविल जज की चयन प्रक्रिया क्या है

विभिन्न राज्यों में चयन प्रक्रिया अलग-अलग होती है। सभी परीक्षाओं में तीन सामान्य चरण हैं, अर्थात प्रारंभिक परीक्षा जिसे प्रिलिमनरी, मुख्य परीक्षा जैसे मेन्स एग्जामिनेशन और इंटरव्यू होते हैं। प्रारंभिक परीक्षा मुख्य परीक्षा के लिए स्क्रीनिंग के रूप में आयोजित की जाती है। इस चरण में मल्टीपल चॉइस प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त अंक अंतिम रिजल्ट में नहीं जोड़े जाते। मुख्य परीक्षा लिखित होती है। उम्मीदवारों द्वारा पाए गए अंक अंतिम चयन के लिए जोड़े जाते हैं। इंटरव्यू चयन का अंतिम चरण है, जहां उम्मीदवारों का व्यक्तित्व और इंटेलिजेंसी देखी जाती है, साथ ही उम्मीदवार का पर्सनल एटीट्यूड इत्यादि का मूल्यांकन भी किया जाता है।

Regards,

ANIL MISHRA
(Training & Placement Officer)